



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-12092020-221709

CG-DL-W-12092020-221709

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 32] नई दिल्ली, अगस्त 30—सितम्बर 5, 2020, शनिवार/ भाद्र 8—भाद्र 14, 1942
No. 32] NEW DELHI, AUGUST 30—SEPTEMBER 5, 2020, SATURDAY/BHADRA 8—BHADRA 14, 1942

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 2020

का.आ. 739.—पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 (2013 का 23) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री मनोज आनंद, प्राध्यापक, वित्त एवं लेखा, प्रबंधन विकास संस्थान, गुडगांव को तीन वर्ष की अवधि के लिए या 62 वर्ष की आयु पूरी होने तक अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण में पूर्णकालिक सदस्य (वित्त) के पद पर नियुक्त करती है।

[फा. सं. 19/8/2019—पीआर]

सुषमा किंडो, उप निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Financial Services)

New Delhi, the 27th August, 2020

S.O. 739.—In exercise of powers conferred by Section 4 of the Pension Fund Regulatory and Development Authority Act, 2013 (23 of 2013), the Central Government hereby appoints Shri Manoj Anand, Professor of Finance and Accounting, Management Development Institute, Gurgaon, as Whole Time Member (Finance), Pension Fund Regulatory and Development Authority, for a period of three years or till attaining the age of 62 years or until further orders, whichever is the earliest.

[F. No. 19/8/2019-PR]

SUSHMA KINDO, Dy. Director

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 2020

का.आ. 740.—पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 (2013 का 23) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री दीपक मोहंती, कार्यपालक निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक (सेवानिवृत्त) को तीन वर्ष की अवधि के लिए या 62 वर्ष की आयु पूरी होने तक अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण में पूर्णकालिक सदस्य (अर्थशास्त्र) के पद पर नियुक्त करती है।

[फा. सं. 19/3/2019-पीआर]

सुषमा किंडो, उप निदेशक

New Delhi, the 27th August, 2020

S.O. 740.—In exercise of powers conferred by Section 4 of the Pension Fund Regulatory and Development Authority Act, 2013 (23 of 2013), the Central Government hereby appoints Shri Deepak Mohanty, Executive Director, Reserve Bank of India (Retd.), as Whole Time Member (Economics), Pension Fund Regulatory and Development Authority, for a period of three years or till attaining the age of 62 years or until further orders, whichever is the earliest.

[F. No. 19/3/2019-PR]

SUSHMA KINDO, Dy. Director

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2020

का.आ. 741.—दिनांक 17.08.2006 को अधिसूचित और दिनांक 16.05.2016 को यथा-संशोधित मुख्य बिजली निरीक्षक और बिजली निरीक्षक नियम 2006 की योग्यता, शक्तियों और कर्तव्यों के साथ पठित विद्युत अधिनियम 2003 (2003 की 36) के खंड 162 के उप-खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार (रेल मंत्रालय) एतद्वारा मुख्य बिजली इंजीनियर, कोंकण रेलवे निगम लिमिटेड (के.आर.सी.एल.) को कोंकण रेलवे की के.आर.सी.एल. परियोजना के समस्त बिजली संबंधी कार्यों और बिजली संस्थापनाओं के लिए सरकार के बिजली निरीक्षक (ईआईजी) के रूप में नियुक्त करती है बशर्ते कि के.आर.सी.एल. का मुख्य बिजली इंजीनियर, भारतीय बिजली इंजीनियर रेल सेवा (आईआरएसईई) संवर्ग से प्रतिनियुक्ति पर हो और भारतीय रेलवे में न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा की हो। उसे विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना सा.का.नि. 481(अ.) और सा.का.नि. 521(अ.) के पैरा 4 एवं 5 में निर्धारित शर्तों को भी पूरा करना चाहिए।

उक्त उल्लिखित अधिकारी, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (संरक्षा और बिजली आपूर्ति संबंधी उपाय) विनियम 2010 समय-समय पर यथा-संशोधित में उल्लिखित कार्यपद्धति के अनुसार कोंकण रेलवे द्वारा अधिकृत क्षेत्रों में बिजली संबंधी कार्यों, बिजली संस्थापनाओं और परिचालनरत बिजली चल स्टॉक के संबंध में शक्तियों का प्रयोग करेगा और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

के.आर.सी.एल. का बिजली निरीक्षक भारतीय विद्युत अधिनियम, 2003 के सभी नियमों के तहत भारतीय रेलवे के मुख्य बिजली निरीक्षक के अधीक्षण एवं निरीक्षण के अंतर्गत कार्य करेगा।

[फा. सं. 2003/इलेक्ट. (जी)/110/1]

जोयन्तो चक्रवर्ती, निदेशक बिजली इंजीनियरी (विकास)

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 22nd April, 2020

S.O. 741 .—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 162 of The Electricity Act, 2003 (36 of 2003) read with Qualification, Powers and Functions of Chief Electrical Inspector and Electrical Inspectors Rules, 2006 notified on 17.08.2006, and as amended on 16.05.2016, the Central Government (Ministry of Railways) hereby appoints Chief Electrical Engineer, Konkan Railway Corporation Limited (KRCL) as Electrical Inspector to Government (EIG) for entire electrical works and electrical installations of KRCL project on Konkan Railway subject to the conditions that Chief Electrical Engineer, KRCL shall be a deputationist from Indian Railway Service of Electrical Engineers (IRSEE) cadre and should have a minimum 20 years of service on Indian Railways. He should also fulfill the conditions laid down in Para 4 & 5 of Gazette notifications G.S.R. 481 (E) and G.S.R. 521 (E) issued by Ministry of Power.

The above mentioned Officer shall exercise the powers and perform his functions in respect of electrical works, electrical installations and electrical rolling stock in operation within the areas occupied by the Konkan Railway or in respect of works and all electrical installations under the control of Konkan Railway as per the procedure provided in Central Electricity Authority (Measures relating to safety and Electricity Supply) Regulations, 2010 as amended from time to time.

The Electrical Inspector KRCL shall function under superintendence & supervision of Chief Electrical Inspector, Indian Railways, in respect of all statutes of The Indian Electricity Act, 2003.

[F. No. 2003/Elect (G)/110/1]

JOYANTA CHAKRABORTY, Director Elect. Engg. (Dev.)

विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 2020

का.आ. 742 .—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एनएचपीसी लिमिटेड के अंतर्गत तीस्ता लो डैम-III पावर स्टेशन, राम्बी बाजार, पोस्ट रेयांग, दार्जिलिंग-734008 (पश्चिम बंगाल), जिनके 80 प्रतिशत कर्मचारीवृंद ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को एतद्वारा अधिसूचित करती है।

[फा. सं. 11011/9/2017-हिंदी]

राज पाल, आर्थिक सलाहकार

MINISTRY OF POWER

New Delhi, the 2nd September, 2020

S.O. 742.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purpose of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notify Teesta Low Dam-III Power Station, Rambh Bazar, PO Reang, Darjeeling-734008 (West Bengal) of the NHPC Limited under the administrative control of Ministry of Power, where 80% of the staff have acquired working knowledge of Hindi.

[F. No. 11011/9/2017-Hindi]

RAJ PAL, Economic Adviser

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 2020

का.आ.743.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि, इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित परिक्षेत्र की भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है ;

और रेखांक संख्या एसईसीएल/बीएसपी/जीएम(पीएलजी)/भूमि/523, तारीख 20 नवम्बर, 2018 का जिसमें इस अनुसूची में वर्णित भूमि क्षेत्र के ब्यौरे अन्तर्विष्ट है, का निरीक्षण कलेक्टर, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कोलकाता – 700001 के कार्यालय में या साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), सीपत रोड, बिलासपुर-495006 (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में किया जा सकता है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पूर्वोक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

उपरोक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति—

- संपूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उसके ऊपर किसी अधिकार के अर्जन पर आक्षेप कर सकेगा; अथवा
- उक्त अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (3) के अधीन की गई किसी कार्यवाई से हुई या सम्भवतः होने वाली किसी क्षति के लिये अधिनियम की धारा 6 के अधीन प्रतिकर का दावा कर सकेगा; अथवा
- उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (1) के अधीन पूर्वक्षण अनुज्ञप्तियों के प्रभावहीन होने के संबंध में या उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अधीन खनन पट्टे प्रभावहीन होने के लिये प्रतिकर का दावा कर सकेगा और उसे उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (1) के खंड (i) से खंड (iv) में विनिर्दिष्ट मदों की बाबत उपगत व्यय को उपदर्शित करने के लिये पूर्वोक्त भूमि से संबंधित सभी मानचित्रों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को परिदत्त कर सकेगा,

राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर भारसाधक अधिकारी या विभागाध्यक्ष (राजस्व), साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सीपत रोड, बिलासपुर-495006 (छत्तीसगढ़) को सौपेगा।

अनुसूची

विजय पश्चिमी ओसीपी (विजय पश्चिमी ब्लाक)
चिरिमिरी क्षेत्र
जिला—कोरबा (छत्तीसगढ़)

[रेखांक संख्या एसईसीएल/बीएसपी/जीएम(पीएलजी)/भूमि/523, तारीख 20 नवम्बर, 2018]

(क) संरक्षित वन भूमि:

क्रम सं.	कक्ष संख्या	श्रेणी	प्रभाग	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियाँ
1.	1569	पसान	कटघोरा	8.479	भाग
2.	1570	पसान	कटघोरा	71.673	भाग
3.	1571	पसान	कटघोरा	198.973	भाग

4.	1572	पसान	कटघोरा	419.428	भाग
5.	1573	पसान	कटघोरा	144.391	भाग
6.	1576	पसान	कटघोरा	29.165	भाग
7.	1578	पसान	कटघोरा	116.445	भाग
कुल : 988.554 हेक्टर (लगभग) या 2442.717 एकड़ (लगभग)					

(ख) राजस्व भूमि:

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	रानी अटारी (गैर सर्वेक्षित)	4	कटघोरा	कोरबा	45.973	पूर्ण
2.	कन्डई (गैर सर्वेक्षित)	4	कटघोरा	कोरबा	76.405	पूर्ण
3.	बिजाडांड (गैर सर्वेक्षित)	4	कटघोरा	कोरबा	34.702	भाग
4.	महदेई टिकरा (गैर सर्वेक्षित)	4	कटघोरा	कोरबा	74.041	भाग
कुल : 231.121 हेक्टर (लगभग) या 571.100 एकड़ (लगभग)						

कुल योग (क+ख)=1219.675 हेक्टर (लगभग)
या 3013.817 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन:

ब्लाक-I :

- क-ख रेखा ग्राम बिन्दु 'क' से आरंभ होती है और कक्ष संख्या 1570,1569,1573,1572 से गुजरती हुई बिन्दु 'ख' पर मिलती है।
- ख-ग रेखा बिन्दु 'ख' से आरंभ होती है और कक्ष संख्या 1576, ग्राम बिजाडांड के मध्य भाग से गुजरती हुई ग्राम बिजाडांड के दक्षिणी सीमा में बिन्दु 'ग' पर मिलती है।
- ग-घ-ड रेखा बिन्दु 'ग' से आरंभ होती है और वन कक्ष संख्या 1578 के बिन्दु 'घ' से होती हुई ग्राम बिजाडांड के भागतः दक्षिणी सीमा से गुजरती है और ग्राम महदेई टिकरा की उत्तरी सीमा के बिन्दु 'ड' पर मिलती है।
- ड-च-छ रेखा बिन्दु 'ड' से आरंभ होती है और ग्राम महदेई टिकरा के भागतः उत्तरी सीमा, बिन्दु 'च', ग्राम महदेई टिकरा के उत्तरी भाग से होती हुई बिन्दु 'छ' पर मिलती है।
- छ-ट-ज रेखा बिन्दु 'छ' से आरंभ होती है और ग्राम महदेई टिकरा के भागतः पश्चिमी सीमा, बिन्दु 'ट' से होती हुई ग्राम महदेई टिकरा के पश्चिमी सीमा में बिन्दु 'ज' पर मिलती है।
- ज-झ-ञ रेखा बिन्दु 'ज' से आरंभ होती है और कक्ष संख्या 1571, बिन्दु 'झ', ग्राम रानी अटारी के भागतः दक्षिणी सीमा से होती हुई बिन्दु 'ञ' पर मिलती है।
- ञ-क रेखा बिन्दु 'ञ' से आरंभ होती है और ग्राम रानी अटारी के भागतः पश्चिमी सीमा, कक्ष संख्या 1570 से होती हुई आरंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

ब्लाक-II:

- छ-ठ-ज रेखा बिन्दु 'छ' से आरंभ होती है और कक्ष संख्या 1571, बिन्दु 'ठ' से होती हुई ग्राम रानी अटारी के दक्षिणी सीमा में बिन्दु 'ज' पर मिलती है।
- ज-झ-ट रेखा बिन्दु 'ज' से आरंभ होती है और कम्पार्टमेंट संख्या 1571, बिन्दु 'झ' से होती हुई ग्राम महदेई टिकरा के पश्चिमी सीमा में बिन्दु 'ट' पर मिलती है।

ट-छ रेखा बिन्दु 'ट' से आरंभ होती है और ग्राम महदेई टिकरा के भागतः पश्चिमी सीमा से होती हुई आरंभिक बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

ब्लाक—III:

ग-ड-च रेखा बिन्दु 'ग' से आरंभ होती है और कक्ष संख्या 1578, बिन्दु 'ड' से होती हुई ग्राम महदेई टिकरा के उत्तरी सीमा में बिन्दु 'च' पर मिलती है।

च-घ-ग रेखा बिन्दु 'च' से आरंभ होती है और ग्राम महदेई टिकरा के भागतः उत्तरी सीमा, कक्ष संख्या 1578, बिन्दु 'घ' से होती हुई आरंभिक बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

[फा. सं. 43015/13/2015—एलए एण्ड आईआर]

राम शिरोमणि सरोज, उप सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 3rd September, 2020

S.O. 743 .—Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule annexed hereto;

And whereas, the plan bearing number SECL/ BSP/GM(PLG)/LAND/ 523, dated the 20th November, 2018 containing details of the area covered by this notification may be inspected at the office of the Collector, District Korba (Chhattisgarh) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata-700001 or at the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur -495006 (Chhattisgarh);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal in the land described in the aforesaid Schedule;

Any person interested in the land described in the above mentioned schedule may-

- (i) object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land; or
- (ii) claim compensation under section 6 of the said Act for any damage caused or likely to be caused by any action taken under sub section (3) of Section 4 of the said Act ; or
- (iii) claim compensation under sub-section (1) of section 13 of the said Act, in respect of prospecting license ceasing to have effect or under sub-section (4) of section 13 of the said Act for mining lease ceasing to have effect and deliver all maps, charts and other documents relating to the aforesaid land to show the expenditure incurred in respect of items specified in clauses (i) to (iv) of sub-section (1) of section 13 of the said Act,

to the Officer-In-Charge or Head of the Department (Revenue), South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur-495006 (Chhattisgarh) within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Vijay West OCP (Vijay West Block)
Chirimiri Area,
District- Korba, Chhattisgarh

[Plan bearing number SECL/BSP/GM (PLG)/LAND/ 523, dated the 20th November, 2018]

(A) Protected Forest Land:

Sl. No.	Compartiment number	Range	Division	Area in hectares	Remarks.
1.	1569	Pasan	Katghora	8.479	Part
2.	1570	Pasan	Katghora	71.673	Part
3.	1571	Pasan	Katghora	198.973	Part
4.	1572	Pasan	Katghora	419.428	Part

5.	1573	Pasan	Katghora	144.391	Part
6.	1576	Pasan	Katghora	29.165	Part
7.	1578	Pasan	Katghora	116.445	Part
Total: 988.554 hectares (approximately) or 2442.717 acres (approximately)					

(B) Revenue Land:

Sl. No.	Name of village	Patwari halka number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks.
1.	Rani Atari (Unsurveyed)	4	Katghora	Korba	45.973	Full
2.	Kandai (Unsurveyed)	4	Katghora	Korba	76.405	Full
3.	Bijadand (Unsurveyed)	4	Katghora	Korba	34.702	Part
4.	Mahdei Tikra (Unsurveyed)	4	Katghora	Korba	74.041	Part
Total: 231.121 hectares (approximately) or 571.100 acres (approximately)						

Grand Total (A+B)= 1219.675 hectares (approximately)
or 3013.817 acres (approximately)

Boundary description:**BLOCK-I:**

- A-B Line starts from point 'A' and passes through forest compartment number 1570,1569,1573,1572 and meets at point 'B'.
- B-C Line starts from point 'B' and passes through forest compartment number 1576, middle part of village Bijadand and meets at point 'C' on the southern boundary of village Bijadand.
- C-D-E Line starts from point 'C' and passes along partly southern boundary of village Bijadand, through forest compartment number 1578, point 'D' and meets at point 'E' on the northern boundary of village Mahdei Tikra.
- E-F-G Line starts from point 'E' and passes along partly northern boundary of village Mahdei Tikra, point 'F', through northern part of village mahdei Tikra and meets at point 'G' on the western boundary of village Mahdei Tikra.
- G-K-H Line starts from point 'G' and passes along partly western boundary of village Mahdei Tikra, point 'K' and meets at point 'H' on the western boundary of village Mahdei Tikra.
- H-I-J Line starts from point 'H' and passes through forest compartment number 1571, point 'I', along partly southern boundary of village Rani Atari and meets at point 'J'.
- J-A Line starts from point 'J' and passes along partly western boundary of village Rani Atari, through forest compartment number 1570 and meets at starting point 'A'.

BLOCK-II:

- G-L-J Line starts from point 'G' and passes through forest compartment number 1571, point 'L' and meets at point 'J' on the southern boundary of village Rani Atari.
- J-I-K Line starts from point 'J' and passes through forest compartment number 1571, point 'I' and meets at point 'K' on the western boundary of village Mahdei Tikra.
- K-G Line starts from point 'K' and passes along partly western boundary of village Mahdei Tikra and meets at starting point 'G'.

BLOCK-III:

C-M-F Line starts from point 'C' and passes through forest compartment number 1578, point 'M' and meets at point 'F' on the northern boundary of village Mahdei Tikra.

F-D-C Line starts from point 'F' and passes along partly northern boundary of village Mahdei Tikra, through Forest compartment number 1578, point 'D' and meets at starting point 'C'.

[F. No. 43015/ 13 /2015-LA&IR]

RAM SHIROMANI SAROJ, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 2020

का.आ.744.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार ने कोयला मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना संख्यांक का. आ. 58, तारीख 15 जनवरी, 2020, जो भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii), तारीख 18 जनवरी, 2020 में प्रकाशित की गई थी, उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 227.93 हेक्टेयर (लगभग) या 563.21 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विहित उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्त है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 224.24 हेक्टेयर (लगभग) या 554.10 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में या उस पर के सभी अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1 : इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक संख्यांक सी – I(ई)III/ जेजेएमआर/0420/957, तारीख 21 अप्रैल, 2020 का निरीक्षण कलक्टर, जिला चंद्रपुर, महाराष्ट्र के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता- 700 001 के कार्यालय में या विभागाध्यक्ष (भूमि और राजस्व), वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, कोल इस्टेट, सिविल लाईन्स, नागपुर - 440 001 महाराष्ट्र के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2 : उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध है :-

“8. अर्जन की बाबत आपत्तियाँ.- (1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में, जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के जारी किए जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण.- इस धारा के अधीन यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी, कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उप-धारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम अधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम अधिकारी, आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने, विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है, वह या तो धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी

भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार हो, यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।”

टिप्पण 3: केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता - 700 001 को उक्त अधिनियम के अधीन अधिसूचना संख्या का. आ. 2519, तारीख 27 मई, 1983 जो भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) में, तारीख 11 जून, 1983 में प्रकाशित की गयी थी, द्वारा सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची

न्यू माजरी के विस्तार भूमिगत से विवृत खान
माजरी क्षेत्र
जिला चंद्रपुर, महाराष्ट्र

(रेखांक संख्या सी -I(ई)III/जेजेएमआर/0420/957, तारीख 21 अप्रैल, 2020)

भाग - I

सभी अधिकार :

ग्राम का नाम	पटवारी सर्किल संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्रफल हेक्टर में			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	टिप्पणियां
				निजी	सरकारी	वन		
पटाला	3	भद्रावती	चंद्रपुर	151.39	4.39	0.00	155.78	भाग
कुल :				151.39	4.39	0.00	155.78	

भाग - II

सभी अधिकार :

ग्राम का नाम	पटवारी सर्किल संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्रफल हेक्टर में			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	टिप्पणियां
				निजी	सरकारी	वन		
पटाला	3	भद्रावती	चंद्रपुर	67.30	1.16	0.00	68.46	भाग
कुल :				67.30	1.16	0.00	68.46	

कुल क्षेत्र :- (भाग - I और भाग - II) : 224.24 हेक्टर (लगभग)

या 554.10 एकड़ (लगभग)

भाग - I

ग्राम पटाला में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

340/1, 340/2/अ- 340/2/ब- 340/2/क- 340/3, 341, 342, 343, 344, 345/1- 345/2, 346/1- 346/2- 346/3, 347/1- 347/2- 347/3, 348, 349, 350/1- 350/2, 351/1- 351/2- 351/3, 352, 353/1- 353/2, 354/1/अ- 354/1/ब- 354/2- 354/3/अ/1- 354/3/अ/2- 354/3/ब, 355, 356/1- 356/2- 356/3, 358/1- 358/2, 359, 367, 368, 376/1- 376/2, 377/1- 377/2, 378, 379/1- 379/2, 380, 381/1- 381/2, 382, 383, 384, 385/1- 385/2, 386, 387, 388, 391, 392, 393/1- 393/2, 394, 395, 396, 397, 398/1- 398/2, 399-1- 399/2, 400/1- 400/2- 400/3, 401/1- 401/2/अ- 401/2/ब, 402, 403, 404, 405, 406, 407/1- 407/2, 408, 409, 410/1- 410/2, 411, 412/1- 412/2, 413, 414, 415/1/अ/1- 415/1/अ/2- 415/1/अ/3- 415/1/ब- 415/2- 415/3/अ- 415/3/ब- 415/3/क 415/4/अ- 415/4/ब, 416/1- 416/2, 417/1- 417/2, 418, 419, 420, 421, 422/1- 422/2, 423, 424, 425, 426, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440/1- 440/2, 441 और सड़क।

भाग - II

ग्राम पटाला में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

206, 208, 210, 235/1- 235/2, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242/1- 242/2, 260/1- 260/2, 261/1- 261/2- 261/3- 261/4- 261/5, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268/1- 268/2/अ- 268/2/ब, 269, 270, 271/1- 271/2, 370/1- 370/2, 450, 451, 452, 453/1- 453/2- 453/3- 453/4, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472 और सड़क।

सीमा - वर्णन :

भाग - I

क - ख : रेखा ग्राम पटाला में वर्धा नदी के किनारे पर स्थित बिन्दु 'क' से आरंभ होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से होती हुई प्लॉट संख्या 347 के दक्षिण कोने पर बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख - ग : रेखा बिन्दु 'ख' से आरंभ होकर उत्तर-पूर्व दिशा में केन्द्रीय रेल लाईन से लगकर होती हुई, प्लॉट संख्यांक 345/1, 345/2, 340 की पूर्व सीमा से होती हुई माजरी-पटाला सड़क किनारे पर बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग - घ : रेखा बिन्दु 'ग' से आरंभ होकर उत्तर-पश्चिम दिशा में माजरी-पटाला सड़क से लगकर होती हुई ग्राम पटाला में बिन्दु 'घ' पर मिलती है।

घ - ड. : रेखा बिन्दु 'घ' से आरंभ होकर उत्तर-पश्चिम दिशा में प्लॉट संख्यांक 356/1- 356/2-356/3, की बाह्य सीमा से होती हुई, सड़क लगकर से होती हुई, 359, 391, 388, 379/1-379/2, 367, 368 की बाह्य सीमा से होती हुई बिन्दु 'ड.' पर मिलती है।

ड.-क : रेखा ग्राम पटाला में बिन्दु 'ड.' से आरंभ होकर दक्षिण दिशा प्लॉट संख्यांक 368, 377, 376 की पश्चिम सीमा से होती हुई पटाला-माजरी सड़क पार कर दक्षिण-पश्चिम दिशा में पूर्व में अधिग्रहित भूमि की बाह्य सीमा से होती हुई आरंभिक बिन्दु 'क' पर समाप्त होती है।

भाग - II

च - छ : रेखा ग्राम पटाला में बिन्दु 'च' से आरंभ होकर उत्तर दिशा में प्लॉट संख्यांक 450, 453, 460, 458 की पूर्व सीमा से होती हुई पटाला-माजरी सड़क पार कर उत्तर-पश्चिम दिशा में पूर्व में अधिग्रहित भूमि की बाह्य सीमा से लगकर होती हुई बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

छ - ज : रेखा बिन्दु 'छ' से आरंभ होकर पश्चिम दिशा में पूर्व में अधिग्रहित भूमि की बाह्य सीमा से लगकर होती हुई बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

ज - झ : रेखा बिन्दु 'ज' से आरंभ होकर उत्तर दिशा में पूर्व में अधिग्रहित भूमि की बाह्य सीमा से लगकर होती हुई बिन्दु 'झ' पर मिलती है।

झ - ञ : रेखा बिन्दु 'झ' से आरंभ होकर पश्चिम दिशा में पूर्व में अधिग्रहित भूमि की बाह्य सीमा से होती हुई प्लॉट संख्यां 206 की उत्तर-पश्चिम कोना पर बिन्दु 'ञ' पर मिलती है।

ञ - ट : रेखा बिन्दु 'ञ' से आरंभ होकर दक्षिण दिशा में होती हुई प्लॉट संख्यांक 206, 208, 210, 235/1-235/2 की बाह्य सीमा से होती हुई बिन्दु 'ट' पर मिलती है।

ट-ठ-ड : रेखा बिन्दु 'ट' से आरंभ होकर पूर्व दिशा में बिन्दु 'ठ' से होती हुई दक्षिण दिशा में प्लॉट संख्यांक 262, 263, की बाह्य सीमा से होती हुई सड़क पार कर प्लॉट संख्या 472 के दक्षिण- पश्चिम कोना पर बिन्दु 'ड' पर मिलती है।

ड-ढ-ण : रेखा ग्राम एकोणा में बिन्दु 'ड' से आरंभ होकर पूर्व दिशा में प्लॉट संख्या 472 की बाह्य सीमा से होती हुई बिन्दु 'ढ' से दक्षिण में दिशा होती हुई प्लॉट संख्या 469 की बाह्य सीमा से होती हुई वर्धा नदी के उत्तरी तट पर स्थित बिन्दु 'ण' पर मिलती है।

ण - च : रेखा बिन्दु 'ण' से आरंभ होकर दक्षिण-पूर्व दिशा में वर्धा नदी के उत्तरी तट से लगकर होती हुई ग्राम पटाला में आरंभिक बिन्दु 'च' पर समाप्त होती है।

[फा. सं. 43015/18/2019-एलए एण्ड आईआर]

राम शिरोमणि सरोज, उप सचिव

New Delhi, the 3rd September, 2020

S.O. 744 .—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S. O. 58, dated the 15th January, 2020 issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 18th January, 2020, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 227.93 hectares (approximately) or 563.21 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas, the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands prescribed in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the land 224.24 hectares (approximately) or 554.10 acres (approximately) and all rights in or over such land as described in the Schedule appended hereto;

Note 1: The plan bearing number C-I(E)III/JJMR/0420/957, dated the 21st April, 2020 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, District Chandrapur, Maharashtra or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata - 700 001 or in the office of the Head of Department (Land and Revenue), Western Coalfields Limited, Revenue Department, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur – 440 001 Maharashtra.

Note 2: Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the said Act which provides as follows:-

“8. Objection to acquisition.- (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued, may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation.-- It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.”

Note 3: The Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata - 700 001 has been appointed by the Central Government as the competent authority under section 3 of the said Act, vide notification number S. O. 2519, dated the 27th May, 1983, published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 11th June, 1983.

SCHEDULE

Expansion of New Majri Underground to Opencast Mine
Majri Area
District Chandrapur, Maharashtra

[Plan bearing number C-I(E)III/JJMR/0420/957, dated the 21st April, 2020]

Part – I

All Rights :

Name of Village	Patwari Circle number	Tahsil	District	Description of land			Total	Remarks
				Tenancy	Government	Forest		
Patala	3	Bhadravati	Chandrapur	151.39	4.39	0.00	155.78	Part
Total :				151.39	4.39	0.00	155.78	

Part - II

All Rights :

Name of Village	Patwari Circle number	Tahsil	District	Description of land			Total	Remarks
				Tenancy	Govt.	Forest		
Patala	3	Bhadravati	Chandrapur	67.30	1.16	0.00	68.46	Part
Total :				67.30	1.16	0.00	68.46	

Total area (Part I and Part II): 224.24 hectares (approximately)
or 554.10 acres (approximately)

Part – I**Plot numbers to be acquired in village Patala :**

340/1, 340/2/A- 340/2/B- 340/2/C- 340/3, 341, 342, 343, 344, 345/1- 345/2, 346/1- 346/2- 346/3, 347/1- 347/2- 347/3, 348, 349, 350/1- 350/2, 351/1- 351/2- 351/3, 352, 353/1- 353/2, 354/1/A- 354/1/B- 354/2- 354/3/A/1- 354/3/A/2- 354/3/B, 355, 356/1- 356/2- 356/3, 358/1- 358/2, 359, 367, 368, 376/1- 376/2, 377/1- 377/2, 378, 379/1- 379/2, 380, 381/1- 381/2, 382, 383, 384, 385/1- 385/2, 386, 387, 388, 391, 392, 393/1- 393/2, 394, 395, 396, 397, 398/1- 398/2, 399/1- 399/2, 400/1- 400/2- 400/3, 401/1- 401/2/A- 401/2/B, 402, 403, 404, 405, 406, 407/1- 407/2, 408, 409, 410/1- 410/2, 411, 412/1- 412/2, 413, 414, 415/1/A/1- 415/1/A/2- 415/1/A/3- 415/1/B- 415/2- 415/3/A- 415/3/B- 415/3/C 415/4/A- 415/4/B, 416/1- 416/2, 417/1- 417/2, 418, 419, 420, 421, 422/1- 422/2, 423, 424, 425, 426, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440/1- 440/2, 441 and road.

Part – II**Plot numbers to be acquired in village Patala :**

206, 208, 210, 235/1- 235/2, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242/1- 242/2, 260/1- 260/2, 261/1- 261/2- 261/3- 261/4- 261/5, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268/1- 268/2/A- 268/2/B, 269, 270, 271/1- 271/2, 370/1- 370/2, 450, 451, 452, 453/1- 453/2- 453/3- 453/4, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472 and road.

Boundary description:**Part – I**

- A – B : Line starts from point 'A' in village Patala on the bank of Wardha river passes in south-east direction and meets at point 'B' on south corner of plot number 347 in village Patala.
- B – C : Line starts from point 'B' and passes parallel to central railway line in north-east direction then passes along the east boundary of plot numbers 345/1, 345/2, 340 and meets at point 'C' on the road in village Patala.
- C – D : Line starts from point 'C' passes in north-west direction along the Majri-Patala road and meets at point 'D'.
- D – E : Line starts from point 'D' passes through Patala village in north-west direction along the outer boundary of plot numbers 356/1- 356/2- 356/3, passes along the road, then again passes along the outer boundary of plot numbers 359, 391, 388, 379/1- 379/2, 367, 368 and meets at point 'E'.
- E – A : Line starts from point 'E' passes in south direction along the west boundary of plot numbers 368, 377, 376, crosses the Patala-Majri road then passes in south-west direction along the outer boundary of already acquired land and end at starting point 'A'.

Part – II

- F – G : Line starts from point 'F' passes in north direction along east boundary of plot numbers 450, 453, 460, 458 and crosses the Patala Majri road then passes in north-west direction along the outer boundary of land already acquired and meets at point 'G'.
- G – H : Line starts from point 'G' passes in west direction along the outer boundary of already acquired land and meets at point 'H'.
- H – I : Line starts from point 'H' passes in north direction along the outer boundary of already acquired land and meets at point 'I'.
- I – J : Line starts from point 'I' passes along the outer boundary of already acquired land in west direction and meets at point 'J' on north-west corner of plot number 206.
- J – K : Line starts from point 'J' and passes in south direction along the outer boundary of plot numbers 206, 208, 210, 235/1- 235/2 and meets at point 'K'.
- K-L-M : Line starts from point 'K' passes in east direction through point 'L' then passes in south direction along the outer boundary of plot numbers 262, 263, then crosses the road and meets at point 'M' on south-west corner of plot number 472.

- M-N-O : Line starts from point 'M' passes in east direction along the outer boundary of plot number 472, turns in south direction through point 'N' and passes along west boundary of plot number 469 in south direction and meets at point 'O' on the bank of wardha river.
- O – F : Line starts from point 'O' passes in south-east direction parallel to north bank of wardha river and ends at starting point 'F' in village Patala.

[F. No. 43015/ 18 /2019-LA&IR]

RAM SHIROMANI SAROJ, Dy. Secy.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2020

का.आ.745 .—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण एवं निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12 के उपनियम (2) के साथ पठित, निर्यात (गुणवत्ता नियंत्रण एवं निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 15 जून 2019 को भारत के राजपत्र, भाग, II, खण्ड – 3, उपखण्ड, (ii) में प्रकाशित, का.आ. 944 दिनांक 3 जून 2019, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना का अधिक्रमण करते हुए, इस अधिक्रमण से पूर्व किए गए अथवा, छूट दिए गए कार्यों को छोड़कर, केन्द्रीय सरकार मैसर्स थैरेपेटिक्स कैमिकल रिसर्च कॉरपोरेशन, डी सं. 25-12-39, द्वितीय तल, गोदावरी स्ट्रीट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने, टाउन ब्रांच, विशाखापत्तनम – 530001 (जिसे एतद्पश्चात् उक्त अभिकरण कहा जाएगा) तक की अवधि के लिए भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालयकी शासकीय राजपत्र में प्रकाशित, दिनांक 20 दिसम्बर, 1965 की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 के तहत प्रकाशित अधिसूचना के साथ संलग्न क्रम संख्या 1 और 2 पर खनिज एवं अयस्क – समूह 1 के अंतर्गत अनुसूची में विनिर्दिष्ट मैंगनीज डाइ ऑक्साइड और लौह अयस्क को छोड़कर मैंगनीज अयस्क के निरीक्षण लिए विशाखापत्तनम पत्तन, गंगावरम पत्तन, और कृष्णापत्तनम पत्तन में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन एक अभिकरण के रूप में मान्यता देती है, अर्थात् :

- (i) यह अभिकरण, खनिज और अयस्क समूह-I का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अधीन निरीक्षण की पद्धति की जाँच करने के लिये निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा नामनिर्दिष्ट अधिकारियों को पर्याप्त सुविधाएं देगी; और
- (ii) यह अभिकरण, इस अधिसूचना में निर्दिष्टानुसार इसके कार्यों के निष्पादन के लिए निदेशक (निरीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण), निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर, लिखित रूप में, दिए गए निर्देशों से आवद्ध होंगी।

[फा. सं. के-16014/4/2019-निर्यात निरीक्षण]

दिवाकर नाथ मिसरा, संयुक्त सचिव, (निर्यात निरीक्षण विभाग)

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)**

New Delhi, the 1st September, 2020

S.O. 745.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), read with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry, number S. O. 944, dated the 3rd June, 2019, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 15th June, 2019, except as respect to things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby recognises M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation, D.No. 25-12-39, 2nd Floor, Godavari Street, Opposite State Bank of India, Town Branch, Visakhapatnam – 530001, as an agency (hereinafter referred to as the said agency) for a period up to 2nd June 2022, for inspection of Manganese Ore, excluding manganese dioxide and Iron Ore specified in the Schedule under the heading Minerals and Ores – Group I at serial numbers 1 and 2 annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, published in the Official Gazette *vide* number S.O. 3975 dated the 20th December, 1965, prior to export of the said Minerals and Ores at Visakhapatnam Port, Gangavaram Port and Krishnapatnam Port, subject to the following conditions, namely: -

- (i) the said agency shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to carry out the inspection specified under rule 4 of the Export of Minerals and Ores - Group I (Inspection) Rules, 1965;
- (ii) the said agency shall, in performance of its function as specified in this notification shall be bound by such directions, as the Director (Inspection and Quality Control), Export Inspection Council, may give in writing from time to time.

[F. No. K-16014/4/2019 - Export Inspection]

DIWAKAR NATH MISRA, Jt. Secy. (Export Inspection Division)

श्रम और रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 2020

का.आ.746 .—केन्द्र सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 (यथा-संशोधित, 1987) के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासकीय नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एतद्वारा अधिसूचित करती है:

1. उप क्षेत्रीय कार्यालय, दुर्गापुर।
2. शाखा कार्यालय कोलाबा, शाखा कार्यालय घाटकोपर, शाखा कार्यालय माहीम, शाखा कार्यालय परेल तथा शाखा कार्यालय लोअर परेल।
3. उप क्षेत्रीय कार्यालय नंदनगरी।

[फा. सं. ई-11016/1/2017-रा.भा.नी.]

देवेन्द्र सिंह, आर्थिक सलाहकार

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 19th August, 2020

S. O. 746.— In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976 (as amended, 1987) the Central Government hereby notifies the following offices under the administrative control of the Ministry of Labour & Employment, more than 80% Staff whereof have acquired working knowledge of Hindi:-

1. Sub-Regional Office, Durgapur.
2. Branch Office Colaba, Branch Office Ghatkopar, Branch Office Mahim, Branch Office Parel and Branch Office Lower Parel.
3. Sub-Regional Office Nandangari.

[F. No. E-11016/1/2017-RBN]

DEVENDER SINGH, Economic Adviser

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2020

का. आ. 747.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, बंगलोर के पंचाट (संदर्भ सं. 04/2016) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 31.08.2020 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-39025/01/2020-आईआर (बी-II)]

सीमा बंसल, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 31st August, 2020

S. O. 747.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 04/2016) of the Cent.Govt.Indus.Tribunal-cum-Labour Court, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of Canara Bank and their workmen, received by the Central Government on 31.08.2020.

[No. L-39025/01/2020-IR(B-II)]

SEEMA BANSAL, Section Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
BANGALORE**DATED : 15TH JUNE, 2020**PRESENT** : JUSTICE SMT. RATNAKALA, Presiding Officer**ID 04/2016****I Party**

Sh. Basavaraj,
S/o Nagappa Ballary,
Post: Bankapur,
Tq: Shiggaon,
Dt: Haveri - 581202.

II Party

1. The Canara Bank,
Haveri Branch, Haveri,
TQ: DT: Haveri - 581111.
2. The Assistant General Manager,
Canara Bank, Circle Office HRM
Section, IMA House, B.N. Nagar,
Hubli - 580029.
3. The Deputy General Manager,
Canara Bank, Head Office,
No. 112, J.C. Road,
BANGALORE - 560002.

Appearance

Advocate for I Party : Mr. M. Rama Rao

Advocate for II Party : Mr. Ramesh Upadhyaya

AWARD

1. The 1st Party workman / former employee / part time employee (1/2) scale of the Canara Bank has raised the Industrial Dispute under Sec 2-A of the Industrial Dispute Act, 1947 (for brevity 'the Act' herein after).

His claim is,

he joined the service as PTE on 12.01.2005 and subsequently his service is regularised. He is dismissed from service as a measure of punishment after certain charges came to be proved against him in a Departmental Enquiry. At the time of his dismissal, he was working at Haveri Branch of the 2nd Party. He disputes the charges alleged against him and contends that, he was not concerned with the alleged charges; his signatures were obtained on blank paper and he is made a scapegoat. He was not given sufficient opportunity by the Enquiry Officer. He is challenging the legality of the Enquiry Report so also the Punishment Order. He pleads that, since the date of his dismissal, he has no source of income to maintain his dependent family; he is age barred to get any other employment.

2. The 2nd Party contested the claim, denied all the allegations made against the Enquiry / Enquiry Report and the Punishment Order. They have sought to justify the action taken against the 1st Party workman.

3. A Preliminary Issue was raised in view of challenge made by the 1st Party in his Claim Statement regarding fairness and correctness of the Domestic Enquiry. The Domestic Enquiry records are marked by consent as Ex M-1 to Ex M-7. The Preliminary Issue is answered affirmatively upholding the fairness of the Domestic Enquiry and also by keeping open all the legal contentions to be addressed at the time of final argument.

4. The 1st Party workman has placed evidence by way of affidavit in respect of unemployment.

5. Both have submitted their argument oral / written along with the authorities of their reliance.

6. The allegation against the workman in the Charge Sheet dated 15.06.2013 was,

While working as PTE (1/2) scale at Haveri Branch,

(i) He fraudulently withdrew Rs. 5,15,000/- from SB A/c 2812.101.001040 of Sh. K. L. Uppar on 15.01.2013, 18.01.2013 and 19.01.2013.

(a) He forged the signature of the account holder in a cheque request letter and obtained the cheque book of 20 leaves.

(b) On 15.01.2013, he forged the signature of account holder in 4 cheques and withdrew the amount.

(c) He destroyed the cheque request letter submitted to the Branch on 15.01.2013.

(ii) During the investigation, he admitted the fraudulent act and remitted back 5,15,000/- fraudulently withdrawn. In the explanation given by him dated 27.02.2013, he admitted the lapses.

The above action constitute gross misconduct within the meaning of Chapter XI regulation 3 (I) of Canara Bank service Code.

7. During the Enquiry, the CSE was assisted by his Representative. Four witnesses were examined for the Management and 30 documents were marked as Mex-1 to Mex-30. CSE opted not to adduce defence evidence, however, submitted his defence brief. The Enquiry Officer returned his finding holding the charges against the CSE as fully proved. The Disciplinary Authority marked the Enquiry Report to the workman for his remarks and he submitted the same. The Disciplinary Authority proposed the punishment of dismissal without notice and afforded a personal hearing. The 1st Party participated in the personal hearing and submitted his letter. The punishment proposed was confirmed vide Order dated 22.11.2013 and the said Order is confirmed by the Appellate Authority.

8. Now coming to the evidence placed before the Enquiry Officer,

MW1 was the Manager of the Haveri Branch; through him, the Fraud Report dated 28.01.2013 submitted by the Branch, statement of account of Sh. K.L. Uppar, his complaint dated 29.01.2003, two letters addressed by the witness to the Investigating Officer, specimen signature card of Sh. K.L. Uppar, seven cheques under which money was fraudulently withdrawn, the Investigating Report along with the statements of the CSE and other witnesses recorded by the Investigating Officer, the letters / replies of the 1st Party were marked as Mex-1 to Mex-30. The witness identified the hand writing of the 1st Party on Mex-11 to Mex-13 which are the SB pay in challans deposited by CSE to the account of Sh. K.L. Uppar. Vide Mex-5 is the letter of the witness dated 29.01.2013 wherein he has communicated to the Investigating Officer that the cheques along with specimen signature card were kept in the double lock under the joint custody of key holders; as per the system 16 unpaid cheques were destroyed on 23.01.2013. These cheques are allegedly destroyed physically by CSE. The witness deposed that, CSE himself confirmed that he has destroyed the unpaid cheques.

The first witness was the then Manager of the Branch who submitted Fraud Reports to the Head Office. At Ex M-1 / Fraud Report, page 2 it is mentioned to the effect that “*the fraudster used two cheques from cheque book to draw Rs. 95,000/- and Rs. 95,000/- on 18.01.2013....*” One Sh. Prasanth Daivajnya was contacted and he admitted that he had received the cash by signing as “Chandru” on the reverse of the cheques on 19.01.2013 to the tune of Rs. 3,25,000/-; he also told that he did not know the particulars of 18.01.2013; the cheques were given by the PTE of the Branch and he has done as per the advice of PTE; he agreed for the remittance of Rs. 3,10,000/- through PTE on 22.01.2013....; PTE remitted Rs. 3,10,000/- on 23.01.2013 to Sh. K. L. Uppar account; he admitted the mistake; he agreed that, he has taken the entire amount of Rs. 5,15,000/- through third parties; he agreed for paying remaining amount of Rs. 2,05,000/- within two days and accordingly paid the amount on 24.01.2013. The witness narrated how the incident came to light and how he was able to track the fraud.

The second witness was the Investigating Officer; he identified the statements of the witnesses he had recorded. During the cross-examination, he admitted that there were procedural lapses with regard to issue of cheque book.

The third witness was the Present Officer of Haveri Branch, he identified his statement given before the Investigating Officer and explained the procedure followed for issuing the cheque book and also narrated how the fraud was tracked.

The fourth witness was the Officer C.O, Hubli in HRM Section. He identified the letters written by the CSE to Manager, Canara Bank / DGM Canara Bank C.o Hubli –Mex-24 to Mex-30. The witness was not cross-examined.

In his statement given to the Investigating Officer / Mex-16, CSE had stated that he had sent a person of his acquaintance to the Bank on 15.01.2013 to the Branch in respect of Account No. 1040 and himself had signed the application; accordingly, the said person got the cheque book from the Branch under a false name; he had taken the photo of the signature of the account holder through mobile phone; he sent the same person on 20.01.2013 with two cheques No. 394183 and 394184 and he himself had signed the cheque leaves accordingly, that person encashed the amount and paid Rs. 1,90,000/- to him; on 19.01.2013, he encashed cheque leaves 394185, 394189 received amount of Rs. 1,50,000/- and Rs. 1,75,000/- through Prasanth Daivajnya; he has signed both the cheques as the account holder; all the four cheques are in his hand writing etc.

9. In his defence statement, the CSE emphasised on not examining the vital witnesses Sh. K.L. Uppar and Sh. Prasanth Daivajnya, who had impersonated Sh. K.L. Uppar and the allegation of impersonation against CSE is baseless. The amount withdrawn by Sh. Prasanth Daivajnya was drawn in his own individual capacity.

10. The Enquiry Report is cryptic and without much elaboration of the evidence placed, based on the statement of MW-1, that, MW-1 identified the signature and hand writing of CSE on Mex-11, Mex-12 and Mex-13 and also had stated that the CSE confirmed about destroying the unpaid cheques and appreciating the Report and Statement of Investigating Officer; the charges are held to be proved.

Even the Disciplinary Authority has not gone in detail to the evidence placed before the Enquiry Officer; but in one stroke accepted and concurred with the findings of the enquiry while proposing punishment of dismissal without notice. Even while confirming the proposed punishment there was no consideration of the defence. These facts are emphasised by the 1st Party in the written argument submitted before this Tribunal.

The Judgments of the Apex Court relied by the 1st Party pertains to the Punishment Order imposed on a Judicial Officer after holding Departmental Enquiry (Nirmala J. Jhala vs. State of Gujarat in Civil Appeal 2668/2005 DD 18.03.2013). Roop Singh Negi vs. Punjab National Bank and others in Civil Appeal 7431/2008 DD 19.12.2008) pertains to the punishment Order imposed on a Peon of the Bank. Both Judgements elaborate on the quality of the evidence required before holding an employee guilty of misconduct in a Departmental Enquiry. In first of the above cases, the Apex Court held that

'evidence recorded in the Preliminary Issue cannot be used in regular inquiry as the delinquent is not associated with it, and opportunity to cross-examine the persons examined in such inquiry is not given. Using such evidence would be violative of principles of natural justice'

In the second of the above cases the above principle is reiterated. In the said case also, misconduct alleged was forgery and theft of the Bank cheque book. The Charge Sheeted workman was held guilty of the misconduct on the basis of the confession said to have been given by him before the Police. The Apex Court held

".... Appellant being the employee of the Bank, the said confession should have been proved. Some evidence should have been brought on record to show that he had indulged in stealing the Bank draft book. Admittedly, there was no direct evidence. Even there was no indirect evidence...."

11. Though the Enquiry Report is cryptic without elaborate appreciation of evidence and the Disciplinary Authority has accepted the same without much discussion, I still find that the Enquiry Report is supported by the evidence placed during enquiry. Neither it was suggested to the Bank Manager / MW-1 nor to the Investigating Officer that the hand writing on the disputed documents Mex-11 to Mex-13 / SB pay in challan deposited by him to the account of Sh. K.L. Uppar on 23.01.2013 (for Rs. 3,10,000/-), 24.01.2013 (for Rs. 1,90,000/- and Rs. 15,000/-) are not that of CSE.

It was never the case of the CSE that, he has not given statement before Investigating Officer as per Mex-16 in the presence of MW-1, MW-3 and another Official. The letters written by him as per Mex-24 to Mex-28 are marked through the Official witness (MW-4). He has not disputed the contents, his hand writing and signatures in these letters. All through he admitted his misconduct and pleaded mercy. Hence, at this stage it does not lay in his mouth to insist that the 2nd Party ought to have examined the other vital witnesses whose statements are recorded by the Investigating Officer. There is no gain say to the quality of evidence in a Departmental Enquiry. The Judgements of the Apex Court in the matter of Roop Singh Negi (Supra) is of no avail to him. Since the Enquiry Officer had held the workman guilty of misconduct on the basis of confession statement recorded by Police. In the case on hand no such illegal material is considered.

By examining MW-1 to MW-4 the prosecution had sufficiently brought in both direct and circumstantial evidence about the indulgence of the 1st Party in the alleged misconduct of forgery, fraudulent withdrawal and temporary misappropriation. There are catena of judgements of Higher Courts asserting that dismissal is the appropriate punishment when the misconduct proved is of moral turpitude / fraud / theft. Hence, I endorse the action taken against the workman by the Management as legal and find no mitigating circumstance to interfere in exercise of the jurisdiction under Sec 11-A of 'the Act'.

AWARD

The Petition filed by the 1st Party workman Sh. Basavaraj under Sec 2-A of 'the Act' is rejected.

(Dictated to o/s LDC, transcribed by her, corrected and signed by me on 15th June, 2020)

JUSTICE SMT. RATNAKALA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2020

का.आ. 748.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, बंगलोर के पंचाट (संदर्भ सं. 22/2016) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 31.08.2020 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/18/2016-आईआर (बी-II)]

सीमा बंसल, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 31st August, 2020

S.O. 748.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 22/2016) of the Cent.Govt.Indus.Tribunal-cum-Labour Court, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of Canara Bank and their workmen, received by the Central Government on 31.08.2020.

[No. L-12012/18/2016-IR(B-II)]

SEEMA BANSAL, Section Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
BANGALOREDATED : 19TH AUGUST 2020

PRESENT : JUSTICE SMT. RATNAKALA, Presiding Officer

CR 22/2016**I Party**

Smt. Mamatha,
W/o Ramdas,
U-36, Anjaneya Block,
1st Cross, Sheshadripuram,
Bangalore – 560 020.

II Party

The General Manager,
Canara Bank, Circle Office,
HRM Wing, MG Road,
Bangalore – 560 001.

Appearance

Advocate for I Party : Mr. Muralidhara

Advocate for II Party : Mr. T. P. Muthanna

AWARD

The Central Government vide Order No. L-12012/18/2016-IR(B-II) dated 10.05.2016 in exercise of the powers conferred by Clause (d) of Sub-Section (1) and Sub-Section 2(A) of Section 10 of Industrial Dispute Act, 1947 (for brevity 'the Act' hereafter) referred the following Industrial Dispute for adjudication.

“Whether the action of the Management of Canara Bank, Bangalore in alleged illegal termination from service of Ms. Mamatha is legal, justified and proper? If not, what relief she is entitled to?”

1. The claim of the first party workman is,

She was engaged as daily wage Sweeper for carrying out housekeeping jobs at Seshadripuram Branch of 2nd Party w.e.f 02.06.2013, subsequently was asked to work at ARM Branch, Malleswaram. Initially, she was paid daily wages at the rate of Rs. 136/- per day which was increased from time to time to Rs. 250/- per day. She has worked continuously since the date of her joining; she worked full time along with regular bank workers. Apart from discharging her duty of housekeeping, she was assisting the employees of the Bank in discharge of their official duties. The work performed by her is perennial in nature. The 2nd Party regularised the services of daily wagers and made them permanent Sub-Staff of the Bank; the conditions relating to age and qualification was relaxed to such daily wagers; 1st Party is also entitled for regularisation as permanent Sub-Staff with all settlement benefits. As per the settlement dated 30.08.2014, services of 1500 daily waged workers were entitled for regularisation. But she was orally terminated from service by the Branch Manager, Malleswaram Branch on 27.11.2014. No prior notice or pay in lieu of the notice was given to her prior to her termination. Retrenchment compensation is not given. Her representation to the 2nd Party seeking restoration of her job and regularisation was not responded. Oral termination of her service is unjust, arbitrary and illegal. She is a 'workman' within the meaning of 'the Act'. She has worked for more than 240 days in a year since 02.06.2013 and she could not have been terminated without complying with the mandatory pre-conditions under Sec 25-G and Sec 25-F of 'the Act'. She has no other source of income to eke out livelihood and is unable to find alternative job in her advanced age.

2. The claim is contested by the 2nd Party on following lines,

She is not engaged by Seshadripuram Branch by 2nd Party as claimed by her. Hence, there is no question of her termination. Before the Regional Labour Commissioner (Bangalore), she claimed that she was engaged at Seshadripuram Branch from 02.06.2013, worked continuously at the said Branch without break and was terminated by the Branch Manager by oral orders. During the conciliation joint discussion, she changed her version that she was engaged at Malleswaram Branch of the 2nd Party. Now, she is claiming that she was engaged at Seshadripuram Branch from 02.06.2013 and thereafter, was asked to work at ARM Branch, Malleswaram. Malleswaram Branch has its own permanent housekeeper. Even if she was engaged there, it was intermittently when the Branch required. There is no privity of contract between her and the 2nd Party. The 2nd Party being a Nationalised Bank has set of rules and norms for recruiting/appointing employees in each cadre. She is never appointed as per the service rules applicable to the 2nd party. There is no employer-employee relationship between the parties. She was never asked to work at ARM Branch Malleswaram and has

not worked full time along with regular Bank workers. The settlement dated 30.08.2014 or any other settlement is not applicable to her. If ever she was engaged, it was for a small period for odd job and she is not entitled for regularisation. Since, she is not appointed or recruited, there is no question of termination / notice, notice pay in lieu of the notice or compensation.

3. Both parties have not adduced evidence however 1st Party since consented for marking the Photostat copies of the documents produced by the 2nd Party pertaining to ARM Branch Malleswaram, same is marked as Ex M-1 and Ex M-2. In fact, these documents were produced by the 2nd Party at the instance of the 1st Party.

4. Ex M-1 (93 Pages) is the debit / transaction slip of the ARM Branch for the period of June 2013 to November 2014. On a travel through this document, nowhere, any transaction slip in the name of 1st Party workman Mamatha could be traced, though some of the slips bear the name of Suresh Poojary towards daily wages.

5. Ex M-2 (297 Pages) is the set of balancing book (general charges) for the period 02.07.2014 to June 2015 pertaining to the ARM Branch. None of the entries in this document corroborates the claim of the 1st Party. Ex M-1 and Ex M-2 since admitted by 2nd Party, it goes without further probe that the 1st Party's identity as 'workman' of the 2nd party is not proved, thus there is no employer-employee relationship between the two parties. The eventuality is, there is no question of illegal termination also and she is not entitled for any relief in this reference. In that view of the matter, the very reference of the dispute as per the Schedule is misconceived. The Schedule presupposes that Smt. Mamatha is illegally terminated from the service and calls for a finding about legality, justifiability and propriety of the said Order. Since it is found that she is not engaged by the 2nd Party as claimed by her and has not worked continuously w.e.f. 02.06.2013 up to 27.11.2014, dispute falls short of the colours / characters of Industrial Dispute contemplated by Sec 2(K) of 'the Act'.

AWARD

The Reference is rejected.

(Dictated to LDC, transcribed by him, corrected and signed by me on 19th August, 2020)

JUSTICE SMT. RATNAKALA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2020

का.आ. 749.—राष्ट्रपति, श्री अशोक कुमार सिंह, पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सह श्रम न्यायालय सं. 2, चंडीगढ़ को सौंपे गए केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सह श्रम न्यायालय सं. 1, चंडीगढ़ के पीठासीन अधिकारी के अतिरिक्त प्रभार की अवधि दिनांक 07.08.2020 से छः माह तक अथवा नियमित रूप से पद भरे जाने तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो तक बढ़ाते हैं।

[सं. अ-11016/03/2009-सीएलएस-II]

सतीश चन्दर, अवर सचिव

New Delhi, the 1st September, 2020

S.O. 749.—The President is pleased to extend the period of additional charge of the post of Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.1, Chandigarh entrusted to Shri Ashok Kumar Singh, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No.2 for a further period of six months with effect from 07.08.2020 or till the post is filled up on regular basis, or until further orders, whichever is the earliest.

[No. A-11016/03/2009-CLS-II]

SATISH CHANDER, Under Secy.